हिन्दी

(स्पर्श)(पाठ 6)(निदा फ़ाज़ली – अब कहाँ दूसरों के दु:ख में दुखी होने वाले)
(कक्षा 10)

प्रश्न अभ्यास

खंड – क

प्रश्न 1:
अरब में लशकर को नूह के नाम से क्यों याद करते हैं ?

उत्तर 1:
बाइबिल और दूसरे पावन ग्रंथों में नूह नाम के एक पैगंबर थे , उनका असली नाम लशकर था, लेकिन अरब ने उनको नूह के नाम से याद किया है। वह इसलिए कि आप सारी उम्र रोते रहे। इसका कारण एक जख़्मी कुत्ता था।

प्रश्न 2:
लेखक की माँ किस समय पेड़ों के पत्ते तोड़ने के लिए मना करती थीं और क्यो ?

उत्तर 2:
लेखक की माँ कहा करती थीं कि शाम ढले पेड़ों की पत्तियाँ मत तोड़ा करो पेड़ रोएँगे। दीया–बत्ती के समय फूलों को तोड़ने से फूल बद्‌दुआ देते हैं ।

प्रश्न 3:
प्रकृति में आए असंतुलन का क्या परिणाम हुआ ?

उत्तर 3:
प्रकृति में आए असंतुलन ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलेजले, सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

प्रश्न 4:
लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोज़ा क्यों रखा ?

उत्तर 4:
लेखक के मकान के दालान में दो रोशनदान थे। उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया। लेखक की माँ ने देखा तो उसे दुख हुआ। उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को घोंसले में रखने की कोशिश में दूसरा अंडा भी टूट गया । अपने इसी गुनाह की माफी के लिए लेखक की माँ ने रोज़ा रखा ।

प्रश्न 5:
लेखक ने ग्वालियर से बंबई तक किन बदलावों को महसूस किया? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर 5:
ग्वालियर से बंबई की दूरी ने संसार को काफी कुछ बदल दिया है। वर्सोवा में जहाँ आज लेखक का घर है, पहले यहाँ दूर तक जंगल था। पेड़ थे, परिंदे थे और दूसरे जानवर थे। अब यहाँ समंदर के किनारे लंबी–चौड़ी बस्ती बन गई है। इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों–चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके उन्होंने यहाँ–वहाँ डेरा डाल लिया है।

प्रश्न 6:
'डेरा डालने' से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर 5:
डेरा डालेने का मतलब है कि जिनका घर–बार छूट चुका है वे दर–बदर घूमते फिरते हैं । कुछ दिन कहीं तो कुछ दिन कहीं वे इसी प्रकार अपना जीवन व्यतीत करते हैं । इसी प्रक्रिया को डेरा डालना कहते हैं ।

प्रश्न 7:
शेख अयाज़ कें पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए?

उत्तर 7:
लेखक के अनुसार शेख अयाज के पिता एक दिन खाना खाने के लिए जैसे ही बैठे उन्होंने अपने बाजू पर एक च्योंटा रेंगते हंए देखा उन्हें दुःख हुआ वे तुरंत खाना छोड़कर उठ गए वहाँ गए और च्योंटे को उसके स्थान पर छोड़कर आए ।

खंड – ख

प्रश्न 1:
बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर 1:
बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पंछियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाश–लीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें , जलजले , सैलाब, तूफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम हैं।

प्रश्न 2:
लेखक की पत्नी को खिड़की में जाली क्यों लगवानी पड़ी ?

उत्तर 2:
लेखक के फ्लैट में दो कबूतरों ने एक मचान में घोंसला बना लिया था । छोटे बच्चों को खिलाने–पिलाने की जिम्मेदारी अभी बड़े कबूतरों की थी । वे दिन में कई–कई बार आते–जाते थे। उनके आने–जाने से परेशानी होती थी। वे कभी किसी चीज को गिराकर तोड़ देते थे तो कभी किसी । इस रोज–रोज की परेशानी से तंग आकर लेखक की पत्नी ने उस जगह जहाँ उनका आशियाना था, एक जाली लगा दी।

प्रश्न 3:
समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी ? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला ?

उत्तर 3:
जब बिल्डरो ने समुद्र को भी घेरना शुरू कर दिया तो उसने एक रात अपनी लहरों पर दौड़ते हुए तीन जहाजों को उठाकर बच्चों की गेंद की तरह तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समंदर के किनारे पर आकर गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह और तीसरा गेट–वे–ऑफ इंडिया पर टूट–फूटकर सैलानियों का नजारा बना कई कोशिशों , वे फिर से चलने–फिरने के काबिल नहीं हो सके।

प्रश्न 4:
'मिट्टी से मिट्टी मिले,
खो के सभी निशान,
किसमें कितना कौन है,
कैसे हो पहचान'
इन पंक्तियों के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर 4:
इन पक्तियों के माध्यम से लेखक यह बताना चाहता है कि हम सब को बनाने वाला ईश्वर एक ही है हमारे पिछले कर्मों के अनुसार हमने अलग –अलग योनियों में जन्म लिया है । इसलिए हमें अपने ऊपर कभी धमंड नहीं करना चाहिए , क्योंकि मरने के बाद हम सभी को उसमें ही समा जाना है ।

आशय स्पष्ट कीजिए

1.
नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले बंबई में देखने को मिला था।

उत्तर 1:
नेचर ने हमें स्वच्छ प्राकृतिक वातावरण दिया है मगर हम उसको ही बिगाड़ने पर तुले हुए हैं । हमें पर्याप्त जमीन मिलने पर भी हम वनों को काटकर नदियों को सुखाकर और हछ तो तब हो गई जब हमने समुद्र को भी नहीं छोड़ा उसको हथियाना चाहा तो नेचर भी कब तब सहती उसने अपनी ताकत का छोटा सा नमूना दिखा दिया बंबई के समुद्र में एक रात उसने तीन दिशाओं में तीन जहाजों को खिलौने की तरह उठाकर फेंक दिया और चेतावनी भी दे दी कि नेचर क्या कर सकती है।

2.
जो जितना बड़ा होता है उसे उतना ही कम गुस्सा आता है।

उत्तर 2:
बड़े व्यक्ति हमेशा ही शांत हुआ करते हैं । लेकिन जब लोग उनकी   शांति को उनकी बुजदिली समझने लगें तो गुस्सें का जो रूप सामने आता है उसकी कल्पना करना भी मुश्किल हो जाता है । ऐसा ही समुद्र के साथ हुआ । हम सबने उसे कमजोर समझा और उसने अपनी ताकत का परिचय हमको दे दिया ।

3.
इस बस्ती ने न जाने कितने परिंदों–चरिंदों से उनका घर छीन लिया है। इनमें से कुछ शहर छोड़कर चले गए हैं। जो नहीं जा सके हैं उन्होंने यहाँ–वहाँ डेरा डाल लिया है। .

उत्तर 3:
हम रोज–रोज नई –नई बस्तियों का निर्माण कर रहे हैं और उसके लिए हमने जंगलों को उजाड़ना शुरू कर दिया है जिसके करण कई जंगली जानवरो की प्रजातियाँ या तो लुप्त हो गई हैं या फिर शहरो की ओर चली गई हैं । यदि ऐसा ही चलता रहा तो एक दिन इन्हीं लुप्त होती प्रजातियों की तरह हम सब भी लुप्त हो जाएंगे ।

4.
शेख अयाज़ के पिता बोले, 'नहीं, यह बात नहीं है। मैंने एक घरवाले को बेघर कर दिया है। उस बेघर को कुएँ पर उसके घर छोड़ने जा रहा हूँ । इन पंक्तियों में छिपी हुई उनकी भावना को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 4:
इन पंक्तियों के द्वारा लेखक ने यह बताने की कोशिश की है कि पहले के जमाने में लोगों के मन में जीव जन्तुओं के प्रति कितनी दया की भावना थी । वे उनका जरा सा भी कष्ट अपना कष्ट समझते थे किसी को कष्ट देना पाप समझते थे ।